O. P. JINDAL SCHOOL, RAIGARH (CG) 496 001

Phone: 07762-227042, 227293, 227001 (Extn. 49801, 49802, 49804, 49806); Fax: 07762-262613; website: www.opjsrgh.in; e-mail:opjsraigarh@jspl.com

No. /55/OPJS/PC/2011-12 Date- 29th June 2011

अभिभावक सूचना

(कक्षा चौथी व पाँचवी के लिए)

हमारा विद्यालय यह विश्वास करता है कि बच्चों का सम्पूर्ण मूल्यांकन वर्ष के अंत में केवल एक बार होने वाली परीक्षा के द्‌वारा न होकर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के द्‌वारा होनी चाहिए । यह एक सहज एवं सहायक भूमिका प्रदान करता है । सतत एवं व्यापक मूल्याांकन कक्षा चौथी एवं पाँचवीं से प्रारम्भ किया गया है । इसके द्‌वारा विद्यार्थियों में न केवल शैक्षणिक गतिविधियों का विकास होता है बल्कि इनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है ।

इसका मुख्य उद्‌देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास है । यह हमारा संयुक्त प्रयास होना चाहिए कि विद्यार्थी के सदैव पढाई के प्रति रूचि एवं दिलचस्पी बनाए रखें ।

सी.बी.एस.ई ने एक ऐसी मूल्यांकन पद्धति आरंभ की है जिससे विद्यार्थियों में हर क्षेत्र में रुचि जागृत हो और उनका सम्पूर्ण विकास हो सके। यही सतत् एवं व्यापक मूल्याांकन का मुख्य उद्‌देश्य है।

चौथी एवं पाँचवीं कक्षाओं में होने वाले सतत् व्यापक मूल्याांकन प्रणाली की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं–

1 अंकों के स्थान पर ग्रेड दिये जाएंगे। ये ग्रेड विषयवार योग्यता को दर्शाएगा।

2 यह मूल्याांकन वर्ष में तीन बार किया जाएगा। मूल्याांकन 1, मूल्याांकन 2 एवं सम्पूर्ण प्रदर्शन (जो कि मूल्यांकन 1 एवं 2 का योग होगा)

3 सतत् व्यापक मूल्यांकन बच्चों को तनाव मुक्त वातावरण में सम्पूर्ण ज्ञान प्रदान करता है।

4 यह पद्धति बच्चों की प्रतिभा को निखारकर उनके विकास में सकारात्मक योगदान प्रदान करता है।

5 हिन्दी एवं अंग्रेजी विषयों में पढ़ने, लिखने, बोलने एवं सुनने की दक्षता को सोमवारीय परीक्षा के द्‌वारा मूल्याांकन किया जाता है।

6 बोर्ड ने शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक क्षेत्र की उपलब्धियों के लिए निम्नलिखित पाँच बिंदु पैमाना निर्धारित किया है:

A+	**अति उत्तम**	**90% - 100%**
A	**उत्तम**	**75% - 89%**
B	**बहुत अच्छा**	**56% - 74%**
C	**अच्छा**	**35% - 55%**
D	**औसत**	**35% के नीचे**

7 शैक्षणिक गतिविधियो में निम्नलिखित महत्वपूर्ण प्रारुप का अनुसरण किया जाएगा :

मूल्याांकन	**योग्यतानुसार ग्रेड**
मूल्याांकन 1 प्रथम सत्र (अप्रैल से सितम्बर)	सोमवारीय परीक्षा 20% प्रथम सत्र परीक्षा 80%
मूल्याांकन 2 द्वितीय सत्र (अक्टूबर से मार्च)	सोमवारीय परीक्षा 20% द्वितीय सत्र परीक्षा 80%
सम्पूर्ण प्रदर्शन	50% प्रथम सत्र मूल्याांकन 50% द्वितीय सत्र मूल्याांकन

जबकि सहशैक्षणिक क्षेत्र का मूल्याांकन बच्चों की कक्षा में दैनिक गतिविधियों के आधार पर किया जाएगा । हमारा विद्यालय यह आशा करता है कि इस योजना के प्रस्तुतीकरण से शैक्षणिक वातावरण में बच्चों को अनुवर्ती परिणाम प्राप्त होंगे जिससे उनका विकास होगा जो उनके प्रगति पत्रक में अंकित होगा।

आर. के. त्रिवेदी
प्राचार्य